7/2/25

पत्रावली पेश हुई। प्रार्थी व वकील प्रार्थी को आवाज लगाई गई उपस्थित नहीं आये। बार-बार आवाज लगाने पर भी उपस्थित नहीं आये। इससे यह प्रतीत होता है कि वकील प्रार्थी को पत्रावली में कोई दिलचस्पी नहीं है अतः प्रार्थी का प्रार्थना पत्र अदम पैरवी/अदम हाजरी में खारिज किया जाता है। पत्रावली फैसल शुमार होकर दाखिल दफ्तर हो।